


UT 3-4

ह। पत्रावली विनाफ. १०/३/२२ का पत्र है।
अ प्रथम दि. ३-५ ग्री अदि ही ११
१६ नव दस्ता कथि ० न ०१. ११/३

२१/११ = ०२/१५

आज पापवली मूल वास के ताप
उ. गां. ६. अं. - ५ के म ॥ २५ में पत्र है
मूल वास विना आध्या पर खाकि किता
जा युका के आता प्रकृत में कीट प्रकृत विधी
शेष नष्ट रह गली के आता: उपर  प्रकी
इसी स्तर पर खाकि किता जाता है। तथा सामान्य
वारा पारित प्रख्या विषय प्रकृत विधी - १३/३१ की भी
विरस्त किता जाता के पापवली प्रकृत में प्रकृत
एवम मूल वास में मूल

२१/११
२१/११
२१/११

उपपण्ड अधिका
रायसिंहनगर